भावनाओं से बुना गया बहन की रक्षा का सूत्र

डॉ. रश्मि जैन

रक्षा सूत्र का यह पर्व हमें अहसास दिलाता है कि भावनाओं में बहुत शक्ति होती है। भाई की कलाई पर बांधी गई बहन की राखी पवित्र भावनाओं से जुड़ी एक शक्ति ही तो है, जो उसे अहसास कराती है कि कितनी भी विकट परिस्थितियां हों, उसे हमेशा अपनी बहन के सम्मान की रक्षा करनी है।

रक्षाबंधन पर विशेष

कहते हैं कि महाभारत युद्ध से पहले श्रीकृष्ण ने राजा शिशुपाल का सुदर्शन चक्र से वध कर दिया था, जिस वजह से उनकी अंगुली से खून बहने लगा था। वहां मौजूद द्रौपदी ने अपनी साड़ी का टुकड़ा फाड़कर उनकी अंगुली में बांधा था। इसके बाद श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को हर संकट से बचाने का वचन दिया था।

एक अन्य कथा भी है। भगवान श्रीविष्णु राजा बली के भक्ति और दान भाव से प्रसन्न होकर उन्हें पाताल का राजा बना देते हैं और वर मांगने को कहते हैं। इस पर राजा बली ने विष्णु से दिन-रात अपने सामने रहने का वचन लिया। जब भगवान काफी समय तक बैकुंठ नहीं लौटे तो लक्ष्मी जी ने देवर्षि नारद से सहायता मांगी। उनके बताए उपाय के अनुसार लक्ष्मी जी ने राजा बली को रक्षा सूत्र बांधकर भाई बना लिया और श्रीविष्णु को उनसे मुक्त कराया। कथाएं कितनी भी हों, मगर सबका संदेश एक ही है कि भावनाओं में बहुत शक्ति होती है। राखी पवित्र भावनाओं से जुड़ी एक शक्ति ही तो है, जो अहसास कराती है कि विकट परिस्थितियों में भी भाई को बहन के सम्मान की रक्षा करनी है।

ज्योतिष और वास्तु के अनुसार, प्रत्येक रंग का संबंध किसी न किसी ग्रह और राशि से है, जो उसके लिए सर्वाधिक शुभ होता है। अगर राशि के अनुसार रंगों का चयन किया जाता है तो वह व्यक्ति विशेष के लिए बहुत शुभ होता है।

मेष – इन जातकों के लिए पूर्व दिशा शुभ है। लाल, पीला, हरा व सुनहरे रंग की राखी बांधें।
वृष – यह राशि दक्षिण दिशा में बली है। इन जातकों के लिए सफेद, सुनहरे व पीले रंग की राखी शुभ है।
मिथुन – यह राशि पश्चिम दिशा में बलशाली है। बहने हरें, पीला, सुनहरा की राखी बांधें।
कर्क – यह राशि उत्तर दिशा में बलशाली है। आप भाई को सफेद या हल्के पीले रंग की राखी बांधें।
सिंह – यह राशि पूर्व दिशा में बलशाली है। इन जातकों के लिए लाल व सुनहरे पीले रंग शुभ हैं।
कन्या – आप अपने भाई को पिस्ता ग्रीन, सुनहरे और पीले रंग की राखी बांध सकती हैं।
तुला – यह राशि पश्चिम दिशा में बली है। पीले, सुनहरे, सफेद व आसमानी रंग की राखी बांधें।
वृश्चिक – यह राशि उत्तर दिशा में शुभ है। इस राशि वाले जातकों को हरे, पीले, सफेद और गुलाबी रंग की राखी बांधें।
धनु – यह राशि पूर्व दिशा में बली है। इन जातकों को पीला, हरा, लाल, सुनहरे रंग की राखी बांधें।
मकर – यह राशि दक्षिण दिशा में बलशाली है। भाइयों को आसमानी व बहुरंगी राखी बांधें।
कुंभ – यह राशि पश्चिम दिशा में बली है। नीले, पीले, हरा और सफेद रंगों की राखियां शुभ हैं।
मीन – इस राशि उत्तर दिशा में बली है। इस राशि वाले जातकों को सुनहरे और पीले रंग की राखी बांधना शुभ होता है।

पंचमहाभूतों से हुई शरीर की संरचना

ॐ अथातः पृथिव्यादिमहाभूतानां समवायं शरीरम्। यत्कठिनं सा पृथिवी यद्द्रवं तदापो यदुष्णं तत्तेजो यत्संचरति स वायुर्यत्सुषिरं तदाकाशम्।। श्रोत्रादीनि ज्ञानेन्द्रियाणि। श्रोत्रमाकाशे वायौ त्वगग्नौ चक्षुरप्सुजिह्वा पृथिव्यां घ्राणमिति। एवमिन्द्रियाणां यथाक्रमेण शब्दस्पर्शरूपरसगन्धाश्चेति विषयाः पृथिव्यादिमहाभूतेषु क्रमेणोत्पन्नाः।। वाक्पाणिपादपायु-पस्थाख्यानि कर्मेन्द्रियाणि। तेषां क्रमेण वचनादानगमनविस-र्गानन्दा श्चैते विषयाः पृथिव्यादि महाभूतेषु क्रमेणोत्पन्नाः।। मनोबुद्धिरहंकारश्चित्तमित्यन्तःकरणचतुष्टयम्। तेषां क्रमेण संकल्प विकल्पाध्यवसायाभिमानावधारणास्वरूपाश्चैतेविषयाः। मनःस्थानं गलान्तं बुद्धेर्वदनमहंकारस्य हृदयं चित्तस्य नाभिरिति।।

स्रोत – शारीरकोपनिषद
संकेत – प्रस्तुत मंत्र शारीरकोपनिषद से लिया गया है, जिसमें बताया गया है कि पंचमहाभूतों से बने इस शरीर में ठोस भाग पृथ्वी का, प्रवाह जल का, गरमी अग्नि की, स्फुरण वायु की और खालीपन आकाश का अंश है।
मंत्रार्थ – पांच महाभूतों का समूह ही शरीर है। इसमें जो ठोस पदार्थ है, वह पृथ्वी तत्त्व है। जो द्रव पदार्थ है, वह जल तत्व है। जो उष्णता है, वह अग्नि तत्व है। जो गतिशीलता है, वह वायु तत्व है और जो सुषिर है, वह आकाश तत्व है। श्रोत्र आदि ज्ञानेंद्रियां हैं। आकाश तत्व से श्रोत्रेंद्रिय, वायु तत्व से त्वगिंद्रिय, अग्नि तत्व से चक्षुरिंद्रिय, जल तत्व से जिह्वा तथा पृथ्वी तत्त्व से घ्राणेंद्रिय हैं। इस प्रकार इंद्रियों के अपने-अपने विषय शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गंध पंचमहाभूतों से उत्पन्न हुए हैं। वाणी, हाथ, पैर, गुदा और उपस्थ, ये पांच कर्मेंद्रियां कहे जाते हैं। इनके विषय क्रमशः बोलना, लेन-देन करना, चलना, छोड़ना और आनंद प्राप्त करना है। वे भी पृथ्वी आदि महाभूतों से ही उत्पन्न हुए हैं। मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार को अंतःकरण चतुष्टय की संज्ञा दी गई है। इनके विषय क्रमशः इस प्रकार हैं, मन का संकल्प-विकल्प, बुद्धि का निश्चय, चित का अवधारणा या स्मृति तथा अहंकार का अभिमान। मन का क्षेत्र गले का अंतिम भाग, बुद्धि का मुख, चित्त का नाभि व अहंकार का हृदय बताया गया है।
तात्पर्य – त्रेतायुग में श्रीराम ने भी बाली वध के समय उनकी पत्नी को शरीर व पंचमहाभूतों का आपसी संबंध के विषय में समझाते हुए कहा है, "हे देवि! क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा। पंच रचित यह अधम शरीरा।।" यह शरीर जिसके लिए तुम विलाप कर रही हो, यह पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से बना है। मृत्यु पश्चात यह पुनः इन्हीं पंचतत्वों में विलीन हो जाएगा।

– पं. जयगोविंद शास्त्री

सप्ताह का मंत्र

सबको 'एक' बनाती है नम्रता...

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

नम्रता वह गुण जो हमें आध्यात्मिक तौर पर विकसित करता है। इसका अर्थ है दूसरों के प्रति कोमल व्यवहार रखना, उनकी समस्याओं और परेशानी को समझना। नम्रता वो तरीका है, जिसके जरिए हम दूसरों के समक्ष स्वयं को प्रस्तुत करते हैं। इस भाव के अंतर्गत हम स्वयं को न तो किसी से उच्च समझते हैं और न ही हम किसी से बेहतर हैं। हमारे भीतर स्वतः ही समानता का गुण विद्यमान रहने लगता है। हम हर किसी से ईश्वर की कल्पना करते हैं। हम अपने अहम, अहंकार को पूरी तरह समाप्त कर देते हैं। मानव जीवन में समस्या केवल तभी उत्पन्न होती है, जब हम स्वयं को अन्य लोगों की तुलना में भौतिक तौर पर ज्यादा अमीर, ऊंचा और शक्तिशाली समझने लगते हैं। कई बार ऐसा संभव हो भी सकता है, लेकिन जब हम गहराई में जाकर इस बात का अहसास करेंगे तो पाएंगे कि हम सभी एक समान हैं, हम सभी एक हैं।

कल का पंचांग

विक्रमी संवत 2080

03 भाद्रपद मास शाके 1945, भाद्रपद मास 09 प्रविष्टे, 07 सफर हिजरी 1445, द्वितीय श्रावण शुक्ल पक्ष नवमी 26.02 तक उपरांत दशमी, अनुराधा नक्षत्र 09.01 तक उपरांत ज्येष्ठा नक्षत्र, वैधृति योग 18.49 तक उपरांत विष्कुम्भ योग, बालव करण 14.36 तक उपरांत कौलव करण, चंद्रमा वृश्चिक राशि में दिन रात।

सूर्योदय : 05.59
सूर्यास्त : 18.46
(भारतीय मानक समयानुसार)

■ **आज :** द्वितीय श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी
■ **कल :** शरद ऋतु, सूर्य दक्षिणायने, उत्तर गोले।
■ **राहुकाल :** प्रातः 10.30 से 12.00 तक।

आपका राशिफल ■ पं. विनोद त्यागी

मेष – सकारात्मक सोच बनाए रखें। धन उधार देने से बचें। वाहन से कष्ट संभव है।
वृषभ – प्रतिकूल स्थितियों पर विजय मिलेगी। व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा।
मिथुन – नौकरी में सम्मान बढ़ेगा। व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। शत्रु परास्त होंगे।
कर्क – प्रभावी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय में नया अनुबंध संभव है।
सिंह – कार्यक्षेत्र में सावधानी बरतें। व्यवसाय में लाभ कम होगा। थकान अधिक रहेगी।
कन्या – शुभ समाचार मिलेगा। अटके कार्य बनेंगे। व्यावसायिक लाभ से हर्ष होगा।
तुला – स्वजनों से मनमुटाव रहेगा। नौकरी में सावधानी बरतें। व्यापार में लाभ होगा।
वृश्चिक – सरकारी क्षेत्र में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में आशातीत लाभ होना संभव है।
धनु – नौकरी में परेशानी होगी। बढ़ते व्यय से चिंता रहेगी। व्यापार में मंदी बनी रहेगी।
मकर – विकास कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में लाभ बढ़ना संभव है।
कुंभ – प्रभावी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय में आशातीत लाभ होगा।
मीन – मानसिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय में यथेष्ट लाभ होगा।

लेटेस्ट वीडियो और अन्य जानकारी के लिए क्लिक करें
amarujala.com/astrology

आज की फिल्में

जी सिनेमा : 12:30 तेरे नाम, 03:30 धमाल, 07:30 बागी
मूवीज नाओ : 10:35 मेज रनर, 01:00 हाउ टू ट्रेन यौर ड्रैगन, 02:35 शाओलिन सॉकर
स्टार मूवीज सिलेक्ट : 12:45 द हिटमैन बॉडीगार्ड, 04:45 मूनफॉल, 07:15 फ्री गाए

सुडोकू

					8	5	1	
9	3				6			8
					1	7		
		3					6	1
	7						5	
1	4					9		
		7	3					
5			8				3	9
	8	6	4					

सुडोकू 81 वर्गों का ग्रिड है, जो 9 वर्गों के ब्लॉक में बंटा हुआ होता है। कुछ वर्गों के अंक लिखे हैं और खाली वर्गों में 1 से लेकर 9 तक के अंक लिखने होते हैं। कोई नंबर 1 पंक्ति, कॉलम या 9 वर्ग वाले छोटे ब्लॉक में दोबारा नहीं आ सकता है।

7	2	4	9	3	8	5	1	6
9	3	1	5	7	6	2	4	8
8	6	5	2	4	1	7	9	3
2	5	3	7	9	4	8	6	1
6	7	9	1	8	2	3	5	4
1	4	8	6	5	3	9	2	7
4	9	7	3	1	5	6	8	2
5	1	2	8	6	7	4	3	9
3	8	6	4	2	9	1	7	5